PRESS MONITOR

Hindustan, Delhi
Thursday, 29th July 2021; Page: 13
Width: 32.94 cms; Height: 28.43 cms; a3r; ID: 28.2021-07-29.132

25 जुलाई तक रोजाना 20.2 लाख ईवे बिल जेनरेट हुए, आर्थिक तेजी के संकेत

ईवे बिल ने फिर पकड़ी रफ्तार

उत्साहजनक

नई दिल्ली | हिन्दुस्तान ब्यूरो

देश की अर्थव्यवस्था कोरोना की दूसरी लहर के झटके से बाहर निकलती हुई दिख रही है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत जारी होने वाले ई-वे बिल के जुलाई के आंकड़े इसका स्पष्ट संकेत दे रहे हैं।

जीएसटी नेटवर्क पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने की 25 तारीख तक रोजाना औसतन 20.20 लाख ई-वे बिल जनरेट हुए हैं। यह इस साल अप्रैल के औसत से भी ऊपर पहुंच गया है। इसे कारोबारियों गतिविधियों के पटरी पर तेजी से आने का संकेत माना जा रहा है। जुलाई महीने में मई महीने के मुकाबले ई-वे बिल जनरेशन में 54 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। 25 जुलाई तक कुल 4.9 करोड़ ई-वे बिल जनरेट हो चुके हैं। वहीं, जून में 5.46 करोड़, मई में 3.99 करोड़, अप्रैल में 5.87 करोड़ और मार्च में जब रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह हुआ था उस समय 7.12 करोड़ से ज्यादा ई-वे बिल जनरेट हुए थे।

4.9 करोड़ बिल जेनरेट हुए 25 जुलाई तक

54 फीसदी मई से ज्यादा ईवे बिल जुलाई में जेनरेट हुए

50 हजार से अधिक के समान के लिए ईवे बिल जरूरी

रोजाना औसत ई-वे बिल जनरेट

महीना	ईवे बिल
मार्च	22.97
अप्रैल	19.58
मई	12.89
जून	18.22
*जुलाई	20.2

- (आंकड़े 25 तारीख तक)
- ईवे बिल लाख रुपये में

मार्च के बाद सबसे ऊंचा

रोजाना औसत के मामले भी मार्च के बाद जुलाई में सबसे ज्यादा ई-वे बिल जेनरेट हो रहा है। मार्च में रोजाना 22.97 लाख ई-वे बिल जनरेट किए गए थे। उसके बाद उसमें गिरावट आने लगी थी। अब 25 जुलाई तक के आंकड़े 20 लाख को पार कर गए हैं जो उत्साहजनक हैं। ईवे बिल में तेजी कारोबारियों गतिविधियों के साथ रोजगार के लिए भी अच्छा संकेत मानी जाती है।

मई में लगा था बड़ा झटका

देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर मई के मध्य में अपने शिखर पर थी। इससे कारोबारी गतिविधियां सुस्त पड़ने से जीएसटी संग्रह में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में हुए कारोबार से सिर्फ 92,849 करोड़ रुपये का ही जीएसटी संग्रह हुआ था। पिछले साल अक्तूबर के बाद पहली बार जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये के नीचे गया था।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

कोरोना की दूसरी लहर खत्म होने के बाद जुलाई में कारोबारी गतिविधियां सुधरने से उम्मीद लगाई जा रही है कि आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रह से सरकार की कमाई बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोरोना की तीसरी लहर काबू में रहती है तो जुलाई के साथ आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था में और तेजी आएगी। गतिविधियों में सुधार से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।